# आष्टा में बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई

**आष्टा।** डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की 135वीं जन्म जयंती के अवसर पर आज, 14 अप्रैल 2026 को देशभर में उत्साहपूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर आष्टा प्रखंड में भी विश्व हिंदू परिषद (विहिप) बजरंग दल द्वारा नगर में श्रद्धांजलि सभा और स्वागत कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

विहिप कार्यकर्ताओं ने बाबा साहेब की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर उन्हें ÷संविधान का मुख्य वास्तुकार÷ बताया और उनके दिखाए गए सामाजिक समरसता के मार्ग पर चलने का संकल्प लियाया ।। इस अवसर पर प्रांत सेवा प्रमुख गोपाल दास जी राठी ने बाबा साहब की जीवनी पर अपने विचार व्यक्त किये एवं आज के कार्यक्रम के प्रभारी विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल नगर सहसंयोजक रौनक डुमाने हुवे ।। वहीं विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल की टीम नगर संयोजक सचिन कुशवाहा वीरेंद्र राठौर नगर उपाध्यक्ष ऋतिक कुशवाहा बाल उपासना प्रमुख अंकित कुशवाह व प्रखंड सेवा प्रमुख प्रतेश जी पंडित एवं अमन गोस्वामी उपस्थित रहे।। एवं कार्यक्रम का संचालन विश्व हिंदू परिषद नगर अध्यक्ष आदित्य जोशी द्वारा किया गया।। वही आभार व्यक्त नगर मंत्री मनीष जी जाट द्वारा किया गया।। इस अवसर पर नगर एवं प्रखंड के समस्त पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे

# देश की एकता और अखंडता के सूत्र संविधान में ही निहित हैं - पूर्व नपा अध्यक्ष कैलाश परमार

## डॉक्टर भीमराव आंबेडकर की जयंती पर निकले चल समारोह का किया भव्य स्वागत

आष्टा -

हमारा देश विभिन्न जातियों, विभिन्न धर्मों एवं मत मतान्तरों का देश है। डॉ भीमराव अंबेडकर की दूरगामी सोच का ही परिणाम है कि आजादी मिलने के बाद हमारे देश में अनेक वर्ग, जाति एवं धर्म होने के बाद भी हम अनेकता में एकता का पूरे विश्व को संदेश दे रहे है। डॉ भीमराव अंबेडकर ने संविधान की प्रस्तावना में इस देश को एकता में पिरोने का काम किया।

आज कुछ ताकते संविधान की प्रस्तावना और मूल भावना के विपरीत काम कर रही है। जिसके दूरगामी परिणाम अच्छे नहीं होंगे। हमें आवश्यकता है कि हम बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के द्वारा रचित संविधान की रक्षा करें। बाबा साहब के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम अराजक और संविधान विरोधी ताकतों का एकजुट होकर मुकाबला करे। हमारे लिए भारत का संविधान सर्वोपरि है और भारत के संविधान की मौलिकता और सिद्धांतों साथ ही इस देश को एकता में पिरोकर रखा जा सकता है। उक्त आशय के उद्गार पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष कैलाश परमार ने डॉक्टर साहब भीमराव अंबेडकर की 135 वी जन्म जयंती के उपलक्ष्य में निकाली गई संयुक्त जयंती समारोह यात्रा के सम्मान समारोह में स्थानीय अदालत चौराहे पर व्यक्त किए। इस कार्यक्रम में डॉक्टर साहब भीमराव अंबेडकर के चित्र के समक्ष पूर्व नपा अध्यक्ष कैलाश परमार ने आयोजन समिति अध्यक्ष बापूलाल मालवीय, जिला पंचायत सदस्य कमल सिंह चौहान, जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि सोनू गुणवान युवा सामाजिक कार्यकता गण अर्जुन सिंह अजय, जगदीश द्रविड़, कृपाल मालवीय, रामचरण दवारिया बंशीलाल बांबे, प्रदीप प्रगति, आत्माराम पचलासिया आदि के साथ दीप प्रज्जलवन कर बाबा साहब भीमराव अंबेडकर को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। उपस्थित सभी जनों ने बाबा साहब के चित्र के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित की। सभी ने संविधान की रक्षा का संकल्प लिया। आयोजन समिति के अध्यक्ष सहित सभी पदाधिकारियों का पूर्व नपाध्यक्ष कैलाश परमार ,पूर्व जन भागीदारी समिति अध्यक्ष प्रदीप प्रगति पार्षद प्रतिनिधि सुभाष नामदेव, सकल हिन्दू समाज के अध्यक्ष तथा पूर्व पार्षद नरेंद्र कुशवाह, शुभम शर्मा, एडवोकेट पल्लव प्रगति सहित मित्रगण ने भव्य स्वागत किया। अदालत चौराहे पर परमार मित्र मंडल ने चल समारोह में शामिल संविधान प्रेमियों के लिए जलपान की सेवा की। इस अवसर पर आर सी पेरवाल, सजन सिंह पवार, डीके मालवीय, विश्राम सिंह मालवीय, मेहरबान सिंह चौहान, हरिनारायण पचलासिया, टी आर मालवीय, आरसी बोडाना, दिलीप सिंह परमार, बी एस मालवीय आदि का सम्मान किया गया। सुनील प्रगति, सुनील कचनेरिया एडवोकेट, वीरेंद्र परमार एडवोकेट, अचल मेवाड़ा, महेश मेवाड़ा, महेश चिरोंजिया, बदामीलाल जायसवाल आदि भी मौजूद थे।

# नपाध्यक्ष हेमकुंवर मेवाड़ा के मुख्य आतिथ्य में मनी बाबा साहेब अंबेडकर जयंती, 18 में से अध्यक्ष सहित सिर्फ 2 पार्षद रहे मौजूद

## कांग्रेस ने अंबेडकर जयंती रैली का किया स्वागत, अलग-अलग स्थानों पर हुए आयोजन

आष्टा।

संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती नगर में विभिन्न स्थानों पर हर्षोल्लास एवं श्रद्धा के साथ मनाई गई। इस दौरान नगरपालिका द्वारा आयोजित कार्यक्रम चर्चा का विषय रहा। नगर पालिका के इस आयोजन में 18 पार्षदों में से अध्यक्ष सहित मात्र 2 पार्षदों की उपस्थिति चर्चा का विषय रही।

नगरपालिका द्वारा वार्ड क्रमांक 13 हाथीखाना स्थित प्रतिमा स्थल पर नपाध्यक्ष हेमकुंवर रायसिंह मेवाड़ा के मुख्य आतिथ्य में अंबेडकर जयंती का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि द्वारा बाबा साहेब की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण कर की गई। इसके पश्चात उपस्थितजनों ने भी पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। कार्यक्रम के दौरान नपाध्यक्ष हेमकुंवर रायसिंह मेवाड़ा ने बाबा साहेब के जीवन संघर्ष, सामाजिक न्याय के लिए उनके योगदान और उनके विचारों को याद किया। वक्ताओं ने उनके संदेश ÷शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो÷को आत्मसात करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब द्वारा निर्मित संविधान देश के प्रत्येक नागरिक को समानता का अधिकार प्रदान करता है और उनके विचार आज भी समाज के उत्थान के लिए अत्यंत प्रासंगिक हैं। कार्यक्रम में नगर महामंत्री एवं पार्षद श्रीमती तारा कटारिया, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष प्रतिनिधि विशाल चौरसिया, पार्षद प्रतिनिधि तेजपाल मुकाती, सिटी मिशन मैनेजर महेन्द्र पोसवाल सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं नागरिक मौजूद रहे।

**कांग्रेस ने रैली में किया स्वागत-सम्मान-** आष्टा में निकाली गई अंबेडकर जयंती रैली का कांग्रेस जनों ने अलग - अलग स्थानों पर स्वागत किया गया। रैली में शामिल समाजजनों का साफा बांधकर, पंचा पहनाकर एवं पुष्प वर्षा कर सम्मान किया गया। इस दौरान बापूलाल मालवीय, कमल सिंह चौहान, रघुनाथसिंह मालवीय, सोनू गुणवान, कृपाल मालवीय, रामचरण देवड़िया, जगदीश डावर, बंसीलाल बॉम्बे, राजेश इंजीनियर सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

स्वागत कार्यक्रम में विनीत सिंगी, सोभालसिंह ठाकुर, इदरीस मंसूरी, महेंद्र ठाकुर, सुनील सेठी, सोहेल मिर्जा, शेख नईमुद्दीन, मनीष डोंगरे, दीपक कंचन सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

**कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग ने मनाई 135वीं जयंती-** स्थानीय कम्युनिटी हॉल, बस स्टैंड पर जिला कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग द्वारा बाबा साहेब की 135वीं जयंती पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत बाबा साहेब के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। जिला कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के अध्यक्ष घनश्याम जांगड़ा ने अपने संबोधन में कहा कि बाबा साहेब का जीवन संघर्ष, समानता और न्याय का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि उनके द्वारा निर्मित संविधान ने विशेष रूप से दलितों, पिछड़ों एवं महिलाओं को अधिकार और सम्मान दिलाने का कार्य किया है, जिससे समाज में समरसता और भाईचारा मजबूत हुआ है। इस अवसर पर कांग्रेस नेता कैलाश परमार, महिला कांग्रेस महासचिव गुलाब बाई ठाकुर, ब्लॉक अध्यक्ष महेश मूंदीखेड़ी , शहर अध्यक्ष जाहिद खान सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। समापन में सभी वक्ताओं ने बाबा साहेब के आदर्शों पर चलने एवं सामाजिक समरसता को मजबूत करने का संकल्प लिया।

# हीरो बनने की चाह में लोगों को मरवाने वाले सब जीरो हो जाएंगे

**टोक राजस्थान (जितेंद्र प्रजापत दैनिक इंदौर समाचार)।** धार्मिक मंच से संत उमाकान्त जी महाराज का कड़ा और चेतावनी भरा संदेश। आज का इंसान दिखावे की ÷हीरोगिरी÷ में इंसानियत को भूलता जा रहा है। निर्दोषों की जान लेकर नाम कमाने वाले लोग शायद आज सुर्खियों में हों, लेकिन आने वाला समय उन्हें इतिहास के अंधेरे में खो देगा। बढ़ते युद्ध, संघर्ष और अहंकार की लड़ाई ने पूरी मानवता को खतरे में डाल दिया है। अगर समय रहते इंसान नहीं चेता, तो भविष्य में भीषण गर्मी, बिजली संकट, प्रदूषण, नई-नई बीमारियां और भी विकराल रूप ले सकती हैं। उन्होंने कहा कि विदेशों की अशांति का असर भारत पर भी हो सकता है। महाराज जी ने संकेत दिए कि वैश्विक अस्थिरता का प्रभाव भारत पर भी पड़ सकता है, इसलिए अभी से संभलना जरूरी है। बाबा जी ने समाधान बताया कि शाकाहार अपनाएं, नशा छोड़ें परिवार और समाज सुधार में योगदान दें और रोज सुबह-शाम 'जय गुरु देव' नाम का जाप करें। परिवार के साथ कम से कम 1 घंटा सुबह शाम नामध्वनि करें- जयगुरुदेव जयगुरुदेव जयगुरुदेव जयजय गुरुदेव। उन्होंने कहा हर जीव की हत्या पाप है – इसके दुष्परिणाम गंभीर बीमारियों के रूप में सामने आयेंगे । अगर इंसान ने अपने खान-पान, सोच और आचरण को नहीं बदला, तो आने वाला समय बेहद कठिन और कष्टदायक हो सकता है।

# वल्लभाचार्य जयंती महोत्सव में श्रद्धा की अनूठी अभिव्यक्ति, शोभायात्रा में पुष्प वर्षा से हुआ स्वागत

आगर मालवा।

जगद्गुरु महाप्रभु श्री वल्लभाचार्य के 549वें प्राकट्य महोत्सव के अवसर पर अखिल भारतीय पुष्टिमार्गीय वैष्णव परिषद द्वारा आयोजित त्रिदिवसीय कार्यक्रम श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर भारत विकास परिषद, शाखा आगर ने भी सक्रिय सहभागिता निभाते हुए विभिन्न आयोजनों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

महोत्सव के अंतर्गत प्रथम दिवस भव्य महामंडली का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में भाग लेकर आध्यात्मिक वातावरण का अनुभव किया। द्वितीय दिवस श्री सर्वोत्तम यज्ञ एवं बधाई कीर्तन के माध्यम से भक्तिभाव का संचार हुआ, वहीं तृतीय दिवस प्रातःकाल प्रभात फेरी एवं सायंकाल भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया, जिसने नगर को भक्तिमय वातावरण से सराबोर कर दिया। शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होकर निकली, जिसमें श्रद्धालुओं की उत्साहपूर्ण सहभागिता देखने को मिली। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं द्वारा स्वागत किया गया, वहीं भारत विकास परिषद द्वारा नाना बाजार, सराफा एवं हाटपुरा क्षेत्र में पुष्प वर्षा कर शोभायात्रा का भव्य अभिनंदन किया गया। इस दौरान प्रसाद वितरण भी किया गया, जिससे श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह रहा। कार्यक्रम के अंतर्गत परिषद द्वारा अखिल भारतीय पुष्टिमार्गीय वैष्णव परिषद के पदाधिकारियों हरिवल्लभ मूंदड़ा, प्रदीप जोशी, रमेश अटल, प्रदीप मेठी एवं प्रवीण मूंदड़ा का दुपट्टा ओढ़ाकर सम्मान किया गया। यह सम्मान उनके सामाजिक एवं धार्मिक योगदान के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक रहा। इस अवसर पर भारत विकास परिषद के अध्यक्ष डॉ. विवेक मालानी, प्रांतीय पदाधिकारी कैलाश माहेश्वरी, राजेश मेठी, महेश माहेश्वरी, राजेंद्र कारपेंटर, पारस जैन सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे। साथ ही ब्रजेश मूंदड़ा, रमण जैन, नरेंद्र मालानी, गोविंद जाजू, सुरेंद्र पुरोहित, जगदीश कसेरा, राजेश मालानी, श्रीकांत गिलड़ा सहित मातृशक्ति की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन को और भी सफल बनाया। सम्पूर्ण कार्यक्रम में अनुशासन, श्रद्धा और सामूहिक सहभागिता का अद्भुत संगम देखने को मिला, जिसने समाज में धार्मिक एकता और सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण का संदेश दिया।

# भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल ने भारत रत्न भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई

**महिदपुर।जवाहर डोसी पीयूष।** शहर के अंबेडकर चौक पर भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल द्वारा भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई गई। सभी कार्यकर्ताओं ने डॉ.भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।साथ ही गगनभेदी नारे भी लगाए।इस दौरान भाजपा के जिला उपाध्यक्ष पंकज यादव,महामंत्री दिनेश ग्रोवर,निलेश सोलंकी,निर्भयसिंहभाटी, शरद परमार,वजेसिंह पंवार,बहादुरसिंह आंजना,श्रीपाल राठी,चांदमल माली,कमल राठी,कैलाश राठी,सोनू योगी,सोनी बैरागी, हरिदास बैरागी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।जानकारी मीडिया प्रभारी अर्जुनसिंह ठाकुर ने दी।

# परमात्मा की भक्ति भक्त बनकर करें, वीतरागी परमात्मा ही राग-द्वेष के विजेता हैं: आचार्य जीतरत्न सागर सूरीश्वर

## पुण्य का बैलेंस बढ़ाएं, प्रभु की देशना जीवन में उतारें : ज्ञानेश मुनिराज

आष्टा।

नगर के श्री महावीर श्वेतांबर जैन मंदिर गंज उपाश्रय में आयोजित धर्मसभा में वाणी के जादूगर, वात्सल्य सम्राट परम पूज्य आचार्य जीतरत्न सागर सूरीश्वर महाराज एवं उनके परम शिष्य ज्ञानेश मुनिराज ने अपने आशीष वचनों से श्रद्धालुओं को धर्म मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी।

आचार्य श्री ने कहा कि परमात्मा की भक्ति सच्चे भक्त बनकर ही करनी चाहिए, क्योंकि परमात्मा वीतरागी होते हैं और राग-द्वेष के पूर्ण विजेता हैं। उन्होंने कहा कि मनुष्य का सौभाग्य है कि उसे जिनेश्वर का धर्म प्राप्त हुआ है, लेकिन यह विचार करने की आवश्यकता है कि हम इस दुर्लभ मानव जीवन को सार्थक बनाने के लिए क्या कर रहे हैं।

**जीवन का सार चरित्र, केवल भोग-विलास नहीं-** आचार्यश्री जीतरत्न सागर सूरीश्वर महाराज ने प्रवचन में कहा कि आज अधिकांश लोग जीवन को केवल खाने-पीने और मौज-मस्ती में व्यतीत कर रहे हैं, जबकि यह जीवन का वास्तविक उद्देश्य नहीं है। उन्होंने कहा ÷पुष्पों का सार इत्र होता है और जीवन का सार चरित्र होना चाहिए। चरित्रहीन जीवन सुगंधहीन फूल के समान है।÷उन्होंने त्याग, तपस्या और साधना के मार्ग को अपनाकर मानव जीवन को सफल बनाने का आह्वान किया। साथ ही कहा कि परमात्मा की भक्ति परम आनंद देने वाली है, इसलिए केवल सांसारिक सुखों के पीछे भागने के बजाय प्रभु की आराधना में मन लगाना चाहिए।

**धन के पीछे दौड़ में प्रभु को न भूलें-** आचार्य श्री ने कहा कि आज व्यक्ति धन के पीछे इतना भाग रहा है कि परमात्मा को ही भूल जाता है। उन्होंने संत कबीरदास के दोहे का उल्लेख करते हुए कहा÷सुख में सब सुमिरन करें, दुख में करे न कोयज्÷ उन्होंने बताया कि सच्चा भक्त वही है जो हर परिस्थिति में प्रभु का स्मरण करता है और उनके गुणों को अपने जीवन में उतारने का प्रयास करता है।

**छोटी करुणा से जागता है धर्म का विशाल भाव-** प्रवचन के दौरान आचार्यश्री जीतरत्न सागर सूरीश्वर महाराज ने कहा कि जीवन में छोटी-छोटी करुणा और सेवा के कार्य भी बड़े आध्यात्मिक परिवर्तन का आधार बनते हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि यदि हम किसी जीव जैसे गाय की सेवा करते हैं, तो यह केवल सेवा नहीं बल्कि हमारे भीतर करुणा के भाव को जागृत करने का माध्यम है। यही भाव आगे चलकर हमें धर्म के मार्ग पर अग्रसर करता है।उन्होंने कहा कि प्रवचन केवल शब्द नहीं, बल्कि आत्मा को स्पर्श करने वाली शक्ति है, जो व्यक्ति के भीतर आत्मचिंतन और परिवर्तन की भावना उत्पन्न करती है।

**मनुष्य जन्म दुर्लभ होने के साथ धर्म आराधना का सर्वोत्तम अवसर-** ज्ञानेश मुनिराज ने अपने उद्बोधन में कहा कि मनुष्य जन्म अत्यंत दुर्लभ है और यही मोक्ष प्राप्ति का माध्यम है। उन्होंने बताया कि भगवान महावीर स्वामी ने चार कर्मों का क्षय कर केवलज्ञान प्राप्त किया और समस्त जीवों के कल्याण के लिए देशना दी। उन्होंने कहा कि हम धर्मसभा में तो आते हैं, लेकिन प्रभु की वाणी को वहीं छोड़ जाते हैं, जबकि जो छोड़ना चाहिए उसे साथ लेकर चलते हैं।इसलिए आवश्यक है कि हम भगवान की देशना को अपने जीवन में उतारें।

**दान, त्याग और सदुपयोग से बनेगा श्रेष्ठ जीवन-** ज्ञानेश मुनिराज ने कहा कि दान देने से दरिद्रता दूर होती है और जीवन में समृद्धि आती है। उन्होंने आचार्य चाणक्य का उल्लेख करते हुए कहा कि धन अहंकार पूर्वक नहीं कमाना चाहिए और उसका सदुपयोग करना चाहिए। उन्होंने बताया कि इतिहास उन्हीं लोगों को याद रखता है जिन्होंने धर्म और समाज के लिए अपना योगदान दिया। अभयदान को सर्वोच्च दान बताते हुए उन्होंने कहा कि जीवों की रक्षा और सेवा ही सच्चा धर्म है।

**धर्म को जीवन में उतारने का आह्वान-** धर्मसभा के अंत में दोनों संतों ने श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि वे करुणा, दया और सेवा को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं।परमात्मा की भक्ति सच्चे भाव से करें।त्याग और तपस्या के मार्ग पर चलें। उन्होंने कहा कि जब व्यक्ति अपने आचरण को श्रेष्ठ बनाता है, तब उसका जीवन स्वयं एक प्रेरणादायक बन जाता है।